



१
वधा नृत्ती ह ननु समर्यं रुद्रदा रुद्रकाली ॥ ७ ॥ तिला रुक्म कवनी प्रियमद विलत्कवि
का कौतुक कर्त्तु नो हने कन क लाव न तति गलतनात्मन ४ याद (४) रुदिग्वा सा वासुतं जय
मतिजगदितां जावका कर्त्तु पू नाम लो नो द्वे ४ य व द्वा ध ज रि उ न रु जा सा सि द विलम्ब
॥ ७ ॥ रं ग म रु ल क क स न धि न म द न स र्ज ण नां सि नारि माला मा नार्द्र मूर्द्धि ध ज रि ४
जट रु जा त्वं स्म सान य वि द्वा । द द्वा रु ते य रु ते य थ ज द न द ना व द्वा ता (गं ड कां चि ४
ला सि व ग रु स्म म धू न धि न म द ना मु न गानि शायी ॥ १ ॥ दं द्वा नो द मुख सि न न व वि स
न ज ग द वि स र्वे ज ना द्वा स्म सान स्म क काल न न र धि न व सा र्थं प्र व द्वा म धू म ॥ काली

काया लिनी त्वं सव स य न न ता या गिनी या ग मू द्वा न क्ता ना वी य मा नी म न र य रु नार्द्र शि
वा व लु म लु ॥ ८ ॥ **रु ति अ न व रु ति ला वं स ना य ४ ॥** ॥ (४) ॥ का मानि या ॥
मा ल ॥ ५ ॥ ता न गान नृ स थ म प्र वं म क न व नृ स न ॥ ५ ॥ र्म र्म र्म ता क ति गा क ति म न
म र्म सूनिय म न आ न न् क नि क नि नृ ता ल वि वि ध ता (थो (थो गा द ग थो थो मा गिका
स हि त सा न न्द ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ द मी को द मी को ७ म नू क न स रु न व वा दि नि काल म् सून प
ल ह नि लि ता ता द ग (था द ग गा ता स क ल ह व न ता नि नि ॥ र्म र्म र्म र्म नू क र्म र्म र्म
नृ प न या म सि जि र्म र्म ना ग कू ल त को न (मा रि ग ता धू धू र कू र धू मि क र्म क र क र
द न रु व रि न ॥ नां नां नां धि मी को धि मी को धू नी रु नी सि सि व न वा नि नि क नि रु रु रु क न

न लज्जि पवाति ॥ ॥
न धि म न रु प न क न क न य नि न लज्जि पवाति ॥ ॥
द मा हि न ता धि म न रु प न क न क न य नि न लज्जि पवाति ॥ ॥

4

[illegible]

मानूष्यया नानयाः कवथशर्नः अदाथशर्नः क्कनसाः ॥ ६ ॥ सतिका नारः प्राप्ता कनया
भर्कं क्कनसा ॥ दानद्वितीका नारः भात्रनया भर्कः क्कनसाः नात्रा नारः धव अक्कन गम
मखलद्वयका भर्कं क्कनसा ॥ ७ ॥ गम मयाः यमानशयूवः न गल सशनसाः ॥ ८ ॥ अन गन
यामादा थशम्व ॥ असतनभ्यवून थव क्कनानका थखिनः क्कनः थव क्कन सया नाक्कसः
थव क्कन सिवरव ॥ थव क्कन सः सखिन किक्कः थव क्कन हिहावः अगम सभि थूनया दाः धूतिद
सक्कता क्कनसाः अन नार ॥ ० ॥ नात्रा कि सिः सलः वा साः नूः धम विलववः भर्कं क्कन
साः थव गव सुया काव मवादयूव ॥ ० ॥ सिमान द्दुहवः थ सिमान का तन गयावः वा

पावनया भर्कं कनसा नाना धनं नालय मानशयुव ॥ ० ॥ दावत्र कामनः द्वा दशया
थरिस्तुः मयून धमः निमनख दविलवया धर्मिस्तुः ककलः दे सा प्रवास ॥ ० ॥ इद्वि
लवया थरिस्तुः बलिावनवयाः थरिताः कनसाः नही मिद्विलवयुव ॥ ० ॥ अस
य सािकद भिलसिः पनाक सिः कदायाः सुकशयुवः अमान्यशयि ॥ ० ॥ वाहावः सा
हावः ककलः वाभवनास्ययुः थववसलिलसुवा विनिन ॥ ० ॥ वानकः दामाः
दनाक्रियायाः गु रानदायाः नारुसनदायाः लिमाभाकनः रिवानदायाः हाक
सिहः हाकमि सिः सधैः धृति क्तानदाया भर्कं कनसाः नाना नर्दं देलपिवहय ॥

॥ कुरुनदायाः ॥ कुरु ससवायाः भर्कं कदायाः अयमरुशयु ॥ ० ॥ मियुखकि
मित्तरवहालया ॥ ० ॥ क्रादुरवानमिसाः क्रादुयतासिवस्तुः कादा कदाया ॥
॥ इमत्तरवहालया ॥ वक्रह आनाकतयमाकनशयु ॥ ० ॥ ताम्रवानमिसाः
ताप्रयतास्यनस्यः दवागववताममिसा कनसाः सदादुय विस्तवादनपिव ॥ ० ॥
हाकुरवालमिसाः हाकुरवस्तुयतासिहकः कनसाः रुयदयु ॥ ० ॥ अथवा धृति ॥ धृति
मिसाता गवलमृदावा दारवहाका ॥ कनसाः गवनागानकयुवः म्यायक्रीवाः मम्याद
सनिवा ॥ ० ॥ ताम्रविनशवसदाया भर्कं कदाया ॥ कि द्युय तलनः वतदयी ॥

सुवविनः विष्णुनः रुनिनीनः धसुतानकुतादापाधकं कनसावनदावलनारु
त्रायव ॥ सुसुनः शनसायुगनाहदम् ॥ ० ॥ कदम्बः रुवम्बुवाधविष्णु ॥ धम्ब
लिसदकावः पाधरवीसुः धकं कनसा ॥ लक्ष्मिदिद्विलववुव ॥ ० ॥ धशोदा
दितादाः कनसाः धननाहदयिव ॥ ० ॥ वाहनः स्वाः सिताभारवाः धसुतास
कुता कनसा ॥ हिरवालकनासुनायुव ॥ ० ॥ असुतासुः गनसुः विपाधकं कन
सा ॥ नावध्ववग्वासुनः त्रिनायुः कायदम् ॥ ० ॥ ववलदाति यलनासुध
विनता वाधलसु सनयाधकं कनसा ॥ नाशायुव ॥ ० ॥ हिगुनानपाधकं

कनसाः धनयासुदम् ॥ धननागाहः सुवादानयाधकं कनसा ॥ कायध्वयु
व ॥ ० ॥ धविष्णुः तवरवृग्मयाधकं धननाः युगादिसुपतादाधकं कनसा ॥ म
रियाशयुव ॥ तवभाशयुव ॥ ० ॥ इदतादाधकं कनसातिथनारु ॥ ० ॥ क्तिन
कुजायाः स्वाहन्यशासुता ॥ तलनसुसजायाः वासुनः वासुनतातायुन्यश
याः धकं कनसा ॥ विद्यानारुः कुशानरुयुव ॥ ० ॥ बुरवानः बुरवानः इहवि
साशयाः कुलिनकुनिवालकशयाः वयतिनः ववलिनः तातायुनताशया
कवनकेनजायाः यवाननः कसिदाधकं कनसा ॥ कसमदः रुगुशयु ॥
ना

हाककि सि॥ द्यवगाः वाक्कानः धृति हाक॥ क्कनायामहिठ॥ वृक्कह न्यमालिक्क
सनयावर्क क्कनसा॥ विक्रोमदयूव॥ ० ॥ अत्रिनयावर्क क्कनसा॥ जस
दयूव॥ ० ॥ अलिखावावर्क क्कनसा॥ विसीदयूव॥ ० ॥ तंभारवदावर्क क्क
नसा॥ विद्यानाह॥ ज्ञानयावर्क क्कनसा॥ नाह सकतिदयूव॥ ० ॥ देवतावाक्क
स॥ रुपिसा॥ सिक॥ वायनाम॥ नाशा॥ वस्त्राकः धृतितावर्क क्कनसा॥ सत्यवस्त्र
शयू॥ ० ॥ पात्रः व्यात्रः कुत्रावयत्रः धृति क्कनसा॥ नाह दमेदयूव॥ ० ॥ वि
द्यानाह॥ ० ॥ सिसाः म्यानः क्कनसा॥ कायमीयादयूव॥ ० ॥ सलिसदायाः यत्रम

अखदा धशत्रः नया धशत्रः॥ हया धशत्रः क्कनसा कायभावादयूव॥ ॥ याताम
अशत्रसाः क्कवशयूव॥ ० ॥ हाजीनिनरुहः रुतिकविलिनयूपाः अर्क क्कनसा॥
॥ अननासः गुत्रिसुखनधाना निद्रवशयू॥ ० ॥ नसुवन्दनः व्यात्रकसि सवा
लः भात्रकुपः रुहयायमात्राः विविधधशत्रः व्यात्रमस धशत्रः मतात्राययास्यया
मशत्रा॥ धृतिमयातसा॥ वातयिस्तत्रागनकयूव॥ म्यामरुवाः मम्यायनिवाः धृ
तिदिववाक्कयू सुकशत्रा॥ धवक्कसभक्कवमिदनवर्क क्कनसा॥ नकिमिविधिः
॥ ॥ यानरुहावर्क क्कनाया॥ सुदयूव॥ दामधूयावर्क क्कनसा॥ अनिद

[illegible]

15
25
36
7

[illegible][illegible]

118 1215 1216 1217 1218 1219 1220 1221 1222 1223 1224 1225 1226 1227 1228 1229 1230 1231 1232 1233 1234 1235 1236 1237 1238 1239 1240 1241 1242 1243 1244 1245 1246 1247 1248 1249 1250 1251 1252 1253 1254 1255 1256 1257 1258 1259 1260 1261 1262 1263 1264 1265 1266 1267 1268 1269 1270 1271 1272 1273 1274 1275 1276 1277 1278 1279 1280 1281 1282 1283 1284 1285 1286 1287 1288 1289 1290 1291 1292 1293 1294 1295 1296 1297 1298 1299 1300 1301 1302 1303 1304 1305 1306 1307 1308 1309 1310 1311 1312 1313 1314 1315 1316 1317 1318 1319 1320 1321 1322 1323 1324 1325 1326 1327 1328 1329 1330 1331 1332 1333 1334 1335 1336 1337 1338 1339 1340 1341 1342 1343 1344 1345 1346 1347 1348 1349 1350 1351 1352 1353 1354 1355 1356 1357 1358 1359 1360 1361 1362 1363 1364 1365 1366 1367 1368 1369 1370 1371 1372 1373 1374 1375 1376 1377 1378 1379 1380 1381 1382 1383 1384 1385 1386 1387 1388 1389 1390 1391 1392 1393 1394 1395 1396 1397 1398 1399 1400 1401 1402 1403 1404 1405 1406 1407 1408 1409 1410 1411 1412 1413 1414 1415 1416 1417 1418 1419 1420 1421 1422 1423 1424 1425 1426 1427 1428 1429 1430 1431 1432 1433 1434 1435 1436 1437 1438 1439 1440 1441 1442 1443 1444 1445 1446 1447 1448 1449 1450 1451 1452 1453 1454 1455 1456 1457 1458 1459 1460 1461 1462 1463 1464 1465 1466 1467 1468 1469 1470 1471 1472 1473 1474 1475 1476 1477 1478 1479 1480 1481 1482 1483 1484 1485 1486 1487 1488 1489 1490 1491 1492 1493 1494 1495 1496 1497 1498 1499 1500 1501 1502 1503 1504 1505 1506 1507 1508 1509 1510 1511 1512 1513 1514 1515 1516 1517 1518 1519 1520 1521 1522 1523 1524 1525 1526 1527 1528 1529 1530 1531 1532 1533 1534 1535 1536 1537 1538 1539 1540 1541 1542 1543 1544 1545 1546 1547 1548 1549 1550 1551 1552 1553 1554 1555 1556 1557 1558 1559 1560 1561 1562 1563 1564 1565 1566 1567 1568 1569 1570 1571 1572 1573 1574 1575 1576 1577 1578 1579 1580 1581 1582 1583 1584 1585 1586 1587 1588 1589 1590 1591 1592 1593 1594 1595 1596 1597 1598 1599 1600 1601 1602 1603 1604 1605 1606 1607 1608 1609 1610 1611 1612 1613 1614 1615 1616 1617 1618 1619 1620 1621 1622 1623 1624 1625 1626 1627 1628 1629 1630 1631 1632 1633 1634 1635 1636 1637 1638 1639 1640 1641 1642 1643 1644 1645 1646 1647 1648 1649 1650 1651 1652 1653 1654 1655 1656 1657 1658 1659 1660 1661 1662 1663 1664 1665 1666 1667 1668 1669 1670 1671 1672 1673 1674 1675 1676 1677 1678 1679 1680 1681 1682 1683 1684 1685 1686 1687 1688 1689 1690 1691 1692 1693 1694 1695 1696 1697 1698 1699 1700 1701 1702 1703 1704 1705 1706 1707 1708 1709 1710 1711 1712 1713 1714 1715 1716 1717 1718 1719 1720 1721 1722 1723 1724 1725 1726 1727 1728 1729 1730 1731 1732 1733 1734 1735 1736 1737 1738 1739 1740 1741 1742 1743 1744 1745 1746 1747 1748 1749 1750 1751 1752 1753 1754 1755 1756 1757 1758 1759 1760 1761 1762 1763 1764 1765 1766 1767 1768 1769 1770 1771 1772 1773 1774 1775 1776 1777 1778 1779 1780 1781 1782 1783 1784 1785 1786 1787 1788 1789 1790 1791 1792 1793 1794 1795 1796 1797 1798 1799 1800 1801 1802 1803 1804 1805 1806 1807 1808 1809 1810 1811 1812 1813 1814 1815 1816 1817 1818 1819 1820 1821 1822 1823 1824 1825 1826 1827 1828 1829 1830 1831 1832 1833 1834 1835 1836 1837 1838 1839 1840 1841 1842 1843 1844 1845 1846 1847 1848 1849 1850 1851 1852 1853 1854 1855 1856 1857 1858 1859 1860 1861 1862 1863 1864 1865 1866 1867 1868 1869 1870 1871 1872 1873 1874 1875 1876 1877 1878 1879 1880 1881 1882 1883 1884 1885 1886 1887 1888 1889 1890 1891 1892 1893 1894 1895 1896 1897 1898 1899 1900 1901 1902 1903 1904 1905 1906 1907 1908 1909 1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032

[illegible]

11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

2526

[illegible]

दिनी॥ ३॥ मनुका वदलम्विय करुन
गतां डन्तेन विरुं वयत् ॥ मात ४४ वगः
नखन मनुक (धनसंसादिमुखसंशु राव द्वादिनी
निमा ४ वेधनन ४४ वगी काधी सांयातिदहन ४ सूडनती
यतिपर्व विद्युडगतिर्वमनुक याप्यता माता ४४ वग

दिनी ॥ ३॥ मनुका वदलम्विय करुन
गतां डन्तेन विरुं वयत् ॥ मात ४४ वगः
नखन मनुक (धनसंसादिमुखसंशु राव द्वादिनी
निमा ४ वेधनन ४४ वगी काधी सांयातिदहन ४ सूडनती
यतिपर्व विद्युडगतिर्वमनुक याप्यता माता ४४ वग

त्यादिपू (र्षक) (६)॥ मात४ रुं नवी रुदकाला विजय वात्रा हि विंश्या यष्टीतिरुं
विमलमरुति४ वगलुं काला विमत्रम॥ मातंगी विप्र नय नाल्य रंख र्जा यवग्रे
यद दासा रुं शा नदा गत४ क नृ दया वि७ व ४ व नीगा हि मां॥ त्वं विद्या यत्र मां गीला कडन
नी विंशो द्य संक दनी॥ दूष्ठा बाटन का विधी त्रिय सत सं दारु सन्या पीपी॥ जिज्ञा कीलय
रुं नवी विजय तत्रा क्ता क्ता विद्या यत्री नित्यं फुडि व ४ मत्र म व व यत सौ य सनी रु वरा॥
नित्यं फु मना रु रं क व मि दं ध्या यत्यं (०) सागु रं॥ धृ त्वा यं ग मि दं त (०) व ४ मत्र वा ही क न
वा गला॥ त्रा ज्ञाना व स्या मिता धका त्रि ४ स प्या मृ (०) गन्दा खला सौ वे र्यां ति वि मा हिता

प्रतिदिन लक्ष्मी विना सिद्धयत्ना॥ अतः दिन म४ री त्रामं साधको य४ त्रिकालं य० ति रु वन
मात४ पूज्य तद व वं द्यो॥ रु वति यत्र म कृत्यं तस्य दृष्टी वला क रु वति यत्र मा सिद्धि ४ ला क मा
तर्तमस्तु॥ विद्या लक्ष्मी पूर्व सो रा ग्य मा य४ यगान् सम्य दा कृ ति ४ ६ क्ता र्थ सिद्धि ४ मात४ ४ ७
याम्ना डलं कीर्तियुक्ता वस्यं कृया त्यादि संभार्य मन्त्री सु कं क यो त्र सं धय रु न द मत्र या व
भन वा सि म (०) विद्या वा द यु कृ चित नृ यती दि व्य काले नि ४ या॥ व ४ व वा र्क रु न वा त्रि य
व भ स म ये नि विं ४ क न (०) वा नित्यं य४ सागु म तत्य ० ति त व ४ शिव स स्य री ति न वा सि
॥ यत्क रं ड य४ रं ख्या नां विजय यत्र म ४ व नी॥ ४। कु र्मां रं रु ना र्थो य नृ द हान नृ मा

ता॥ वक्राक्षमं हर्कं फार्गुति मला के वदल्ल र्ण यग ४ य ॥ ० ग ॥ द्रया यकं पूर्वोक्त कामानु
प्रम्विन्दति॥ नूति श्री वगलामस्वी फार्गुमय नूति समांका ४॥ ॥ ॥
१०० नम ४ शा यन दे वता ये शा शा म हा द व ड वा वा ॥ ४८ लू द वी स व द्वा मि क व व द व द ल्ल र्ण न अ य
का श्यं य रं गु र्क सा भ कारि ४८ सिद्धि दे॥ क व त्र स्य म धि दे वी द क्रि सा म लि सी न स य कि क न्य म
ख दे वी दू द य वि यू न स न्य नी ॥ ध र्मा २ धे का म भा कृ ष वि ति या ग ४ स म लि त नू वा व र व ४ पा रु शा
न से ॥ मामना ड कृ था दू दि ॥ सो ४८ कि वि डं स दा पा रु ना री गु कृ व या द या शा नू कौ सो ॥
वन दे वा रु वा ला मां सर्व सिद्धि ज या रु व ता ॥ रु न वी क ४८ म या रु स न्य नी ना रि ॥ ५८ द्या यी ॥ ॥

वी धे का म क ला स दा शा ड नू ५८ था न क ला न म हा रि यू न स न्य नी ॥ ल ला ठ स र ग मा या रु रु ग मा
क ४८ द शा न ॥ रु ग मा द या रु कृ उ य ड द न रु स ४ यि धी रु ग मा ली ना रि दे ५८ लि ५८ पा रु म नी रु
वा रु कृ या रु म हा द वी ना ड ना ड ४८ नी जि वा ॥ वे त न्य नू यि सी या रु द्र दं यो ड ग द म्बि का ॥ ५
ना ना य सा सर्व गा रु सर्व का र्य ४८ री क नी ॥ व क्रा हा या रु मी दू र्व द क्रि ५८ र्वे दू वी त था य श्चि म
या रु वा ना हा ड र्क न या रु म रु ४८ नी ॥ आ ग्न यां या रु की मा नी म हा ल क्री ४८ ने म रा ॥ वा यू र्वा
या रु वा म ५८ ५८ द्या नी या रु ४८ स के ड ले या रु म हा मा या यि धि र्वां सर्व म र्ज ना ॥ आ कां ५८
या रु व न दा सर्व रु रु व न ४८ नी ५८ र्द रु क व र्व द वा द वा ता म यि द ल्ल र्ण ॥ य य ॥ ० या न नू

थोय सुविद्य यत मानस ॥ ता धया व्याधया सुस्य नरुय वक्ता विदु रवे द ॥ तव मात्री रुय न स्य पा
 तका तां रुय न स्य पा तदा त्रिद्यु वसंग कुरु तिष्ठ ना तव ॥ ४ ॥ वसंग ॥ गच्छ गिव यत्नं दवी सत्य सत्य व
 दाम्य हं ॥ ५ ॥ दं कव वम ह्वा ॥ ६ ॥ विद्या या जय गृधिया ॥ सम्या प्राति रुलं गत्य पा प्र या कृत
 मं ॥ स्वयं ॥ ७ ॥ ति ॥ ८ ॥ ति ॥ ९ ॥ ति ॥ १० ॥ ति ॥ ११ ॥ ति ॥ १२ ॥ ति ॥ १३ ॥ ति ॥ १४ ॥ ति ॥ १५ ॥ ति ॥ १६ ॥ ति ॥ १७ ॥ ति ॥ १८ ॥ ति ॥ १९ ॥ ति ॥ २० ॥ ति ॥ २१ ॥ ति ॥ २२ ॥ ति ॥ २३ ॥ ति ॥ २४ ॥ ति ॥ २५ ॥ ति ॥ २६ ॥ ति ॥ २७ ॥ ति ॥ २८ ॥ ति ॥ २९ ॥ ति ॥ ३० ॥ ति ॥ ३१ ॥ ति ॥ ३२ ॥ ति ॥ ३३ ॥ ति ॥ ३४ ॥ ति ॥ ३५ ॥ ति ॥ ३६ ॥ ति ॥ ३७ ॥ ति ॥ ३८ ॥ ति ॥ ३९ ॥ ति ॥ ४० ॥ ति ॥ ४१ ॥ ति ॥ ४२ ॥ ति ॥ ४३ ॥ ति ॥ ४४ ॥ ति ॥ ४५ ॥ ति ॥ ४६ ॥ ति ॥ ४७ ॥ ति ॥ ४८ ॥ ति ॥ ४९ ॥ ति ॥ ५० ॥ ति ॥ ५१ ॥ ति ॥ ५२ ॥ ति ॥ ५३ ॥ ति ॥ ५४ ॥ ति ॥ ५५ ॥ ति ॥ ५६ ॥ ति ॥ ५७ ॥ ति ॥ ५८ ॥ ति ॥ ५९ ॥ ति ॥ ६० ॥ ति ॥ ६१ ॥ ति ॥ ६२ ॥ ति ॥ ६३ ॥ ति ॥ ६४ ॥ ति ॥ ६५ ॥ ति ॥ ६६ ॥ ति ॥ ६७ ॥ ति ॥ ६८ ॥ ति ॥ ६९ ॥ ति ॥ ७० ॥ ति ॥ ७१ ॥ ति ॥ ७२ ॥ ति ॥ ७३ ॥ ति ॥ ७४ ॥ ति ॥ ७५ ॥ ति ॥ ७६ ॥ ति ॥ ७७ ॥ ति ॥ ७८ ॥ ति ॥ ७९ ॥ ति ॥ ८० ॥ ति ॥ ८१ ॥ ति ॥ ८२ ॥ ति ॥ ८३ ॥ ति ॥ ८४ ॥ ति ॥ ८५ ॥ ति ॥ ८६ ॥ ति ॥ ८७ ॥ ति ॥ ८८ ॥ ति ॥ ८९ ॥ ति ॥ ९० ॥ ति ॥ ९१ ॥ ति ॥ ९२ ॥ ति ॥ ९३ ॥ ति ॥ ९४ ॥ ति ॥ ९५ ॥ ति ॥ ९६ ॥ ति ॥ ९७ ॥ ति ॥ ९८ ॥ ति ॥ ९९ ॥ ति ॥ १०० ॥ ति ॥

| | | |
|---|---|----|
| ६ | १ | ७ |
| ३ | ५ | ११ |
| ४ | २ | २ |

१ अथ वा ग्मः कायः आर्नरुः कुरुः जाक काय ॥ दिनः वस्य पाय ताः वगुः पार्न
 न ॥ रुके या ताः ॥ २ ॥ गमवान ॥ थरु नु यामः क्रि थी ड ति याम मानः ना मवा
 ग्म काय वः यामः सु थ पाः यं न १०० दाः ॥ ३ ॥ न के मानः हि द पाय ताः म

हि द पाय ताः वा क्रि नः लिः थरु नु थानः पाय ११०० दान तु क न हि व रु पि वः
 यामः न्या स पा दा वः मून मं नु क्रि थ दा वः याम ॥ यृ गाः प्रिया रु नी ता नः न १०० दः ॥
 यः दि पः रु य १०० ८ ताः ॥ रु वून सः रु मु नी रु मु नी ॥ गम दा दि दा वः रु सि सः रु
 यः रु गु नी रु गु नी ॥ यः न म यामः मानः उ ना साम ता वः द नः ना गु म म ता वः ॥ थ
 रु नुः रु रु य नु रु स यो यः य रु स मः यानः गाय मः सः थ रु वः वृ गा यामः न प्र ति स
 त म ॥ गा गाः व स्य मा ॥ रु रु न ना स पा य रु ना ॥ १०० ॥
 १ क र व ग य द व रु रु म १०० ७८ ८ य थ द ध न य रु व रु म य रु न व रु म रु रु रु ४ ॥

एव विषयः सम्यग्निश्चः कुरुवत वृद्धतिश्चः साधुसुगुणः ॐ कुरुर्वेधः आदि
 सनिकात्रः आदिसुन्यलयाः दावासकान्ताः स्वमवानयाः निसरकान्ता
 नाः अगमनवानयाः वासकान्ताः वृद्धवानयाः स्ववासकान्ताः वृद्ध
 युतिवानयाः दासवासकान्ताः ॐ कुरुवानयाः यवासकान्ताः स
 निबलवानयाः सुधुवलक्षि १ कान्ताः द्विक्किनयावाधयावः कान्ता
 स्ययज्ञा ॥ ६०० ॥ अतिसुलवालयाः सुलसमाक ॥ ६०१ ॥ द्वादसिचमवा
 दिसः विसारवकादशासनिः दसमागलः आडावः वृद्धमनहृतिमकः सत

हिरवागुत्ररवतिः तितियात्रादिनिदिगुः सतमिर्खलमाखाधः यमदुष्टावृ
 किता ॥ ६०२ ॥ द्वादसितिथाः मधनकान्ताः आदिगवालनातसाः नकादसितिथाः
 विसारवानकान्ताः स्वमवालनातसाः दसमितिथाः आदानकान्ताः अगवानलातसाः
 हनारवतिथाः मनुनकान्ताः वृद्धवालनातसाः रवतिमितिथाः ॐ हिरवनकान्ताः वृद्ध
 यतिवालनातसाः दैवः आदिनिनकान्ताः सुकवालनातसाः सतमितिथाः यवारवाध
 नकान्ताः सनिबनवालनातसाः धतिनातसाः दावः यमदुष्टायागत्राकस्ययः कृकाम
 पायमस्यवज्ञा ॥ ६०३ ॥ अदिलहगागुत्ररुजागमः वृद्धननाधसनिनादि

निवः सन्निधौ सन्निधौ गुणवति वः शानाः निवः मिता सिद्धि या गम ॥ ६०॥ दान कुरु आ
 दि सुवान नाग सहिदः पुनः सुवः पुनः वाल नाग साः अन्नादन कुरुः वः वाल नाग साः
 आदि निनः कुरुः निव वाल नाग साः मिग सिन न कुरुः सम वाल नाग साः लव गिन कुरुः
 उकु वान लाग साः असु निन कुरुः अगम वाल नाग साः धर्ती नाग दावः अगम सिद्धि या गम
 नाक सिमः समत कात्र या मय ॥ ६०॥ ॥ शत ता वाल मान सुहा सुहा सुहाः हाकुल नित्य सतायः
 पुप काति नि शाक हा मूल नव धन शोमः वध तु धन धनः अथ शोमी मनुः ॥ ६०॥ उकु वल य
 वध मव दान रुरु वः शनि सनान वि सारव ॥ ६०॥ ॥ आदि सुवान कुरुः सान माग साः

दिन पुति सहा पशु मव ॥ साम वान कुरुः सान माग साः पुप हि निवः अगम वाल कुरुः सान
 माग साः वध न स्य पिवः सिम रुव ॥ वध वाल कुरुः सानान माग साः धन नाह पमवः वः
 यति वाल कुरुः सानान माग साः धन हा गश मिवः उकु वाल कुरुः सानान माग साः व
 न हा निश मिवः उकु निवल वान कुरुः सनान माग साः सा दान विमावः उ निरु नला क
 रुना ॥ ६०॥ ॥ उकु ति वालः सनानः सुहा सुहा सुहा समाक ॥ ६०॥ ॥ आदि लथाल
 वः सुव दने सुगुल वः अमि यो नरु म हा मवः अह सु सुल हव सु ॥ जिव वध मा का
 मर्थः सुकु अर्थ यव धनः शनि वल अकि या गम नाः गाव ता मा गति स्य सव ॥ ६०॥

आदि त वालकक वन न गधन साः सुथाल वन शयुवः सामवानयाः मिखाहि निवः वलवीत
 शयुवः अंगमवालयाः मिनन मरुवः स्वनम मरुनः वृथालयाः सुतरुनः वृथवति वालयाः
 भमद मृकाके सिद्धि दयः सुशुवालयाः भननाह दयः अनिवल वानकुक्कः वरुः गन साः
 मिखासाक दयव ॥ ६० ॥ वरु सुन गधय मा ता वाल सुता सुन रल ॥ ६१ ॥ धनार्थं
 द्वाकः मरुव अरु निः ररु निष्ठः किति कायाद मयवः वृथकि सिः कया नः ॥
 हि नि मि गना भयः मिधुर्न मि गमायः ॥ १ ॥ आडा ॥ गि निवा द पुन वृ सुः कर्कटा
 मक पाद्यकः पुष्य अरु रव मयव ॥ २ ॥ सिख मयव पूर्वविः उरु ना याद मयवः

कन्य सुलाति थायादः रु सु विगार्द्ध भवव ॥ ३ ॥ उल विद्ध साति ॥ वि सावा श्रु प
 द ग्रयः विरु विष्म भयाद्यकः अनूना भय सु मयवः ॥ ४ ॥ वन भूल पूर्ववा
 राः उरु नायाद भववः मक भूल ना ति थायादः उल वल भन्य मयव ॥ ५ ॥
 कुरु भन्य ताद स गहिवाः पूर्व रद ग्रयः मीन पूर्व रद याद कः उरु रुद वल वति
 ॥ ६ ॥ अरु निन रु ॥ रु निन रु याद ॥ कृ तिक याद १ थ ति सर्वदः
 भरव ना सि ॥ १ ॥ कृ तिक याद ३ ॥ गहि निन याद ४ ॥ भ ग भाल या
 द २ थ ती सवन १ ॥ वरु ना सति ॥ २ ॥ भ ग हिल याद २ आडाः याद ३ ॥ पुन वृ

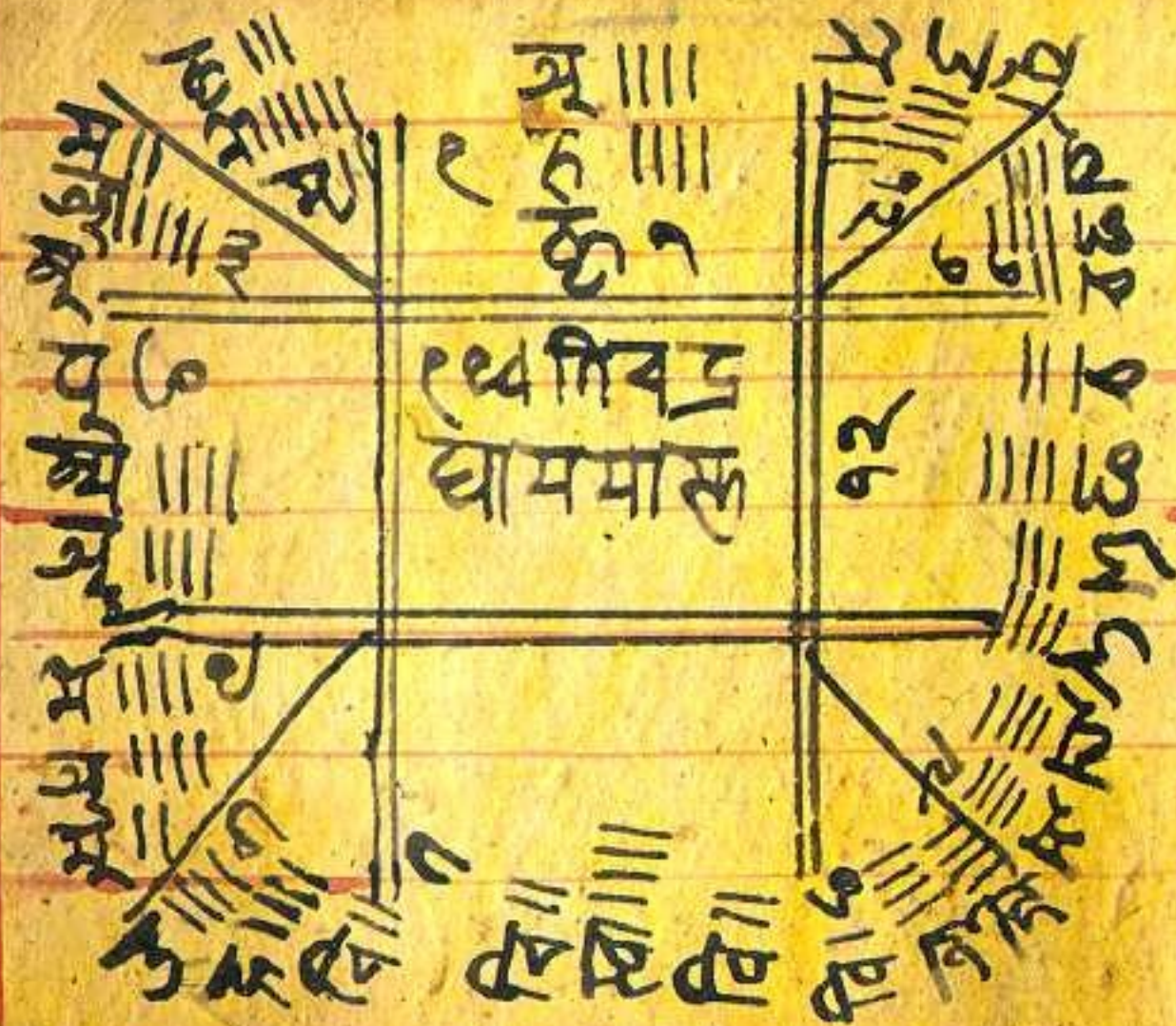
हृयाद३ ॥ धृतिः सर्वदमि धूननासी सरु ॥ ३ ॥ पुनर्वसुपाद १ पुकपाद ४ अश्ल
खपाद ४ कर्कटलासिसत ॥ ४ ॥ मघपाद ४ पूर्वरागुनि ४ उरु रागुनि पा
द १ धृतिः सर्वदः सिंहनासिसत ॥ ५ ॥ उरु रागुनि पाद ३ रु सु ४ धृतिः पाद ४
२ धृतिः सर्वदः कन्यसत ॥ ६ ॥ विष्णुपाद २ स्वाति ४ विसाखपाद ३ धृतिः सर्वदः तुल
नासिसत ॥ ७ ॥ विसाखपाद १ अन्ननाभा ४ अश्लपाद ४ धृतिः सर्वदः विक्रना
सिसत ॥ ८ ॥ मृग ४ पूर्वाभाद ४ उल्लाभादः पाद १ धृतिः सर्वदः अन्ननासि
सत ॥ ९ ॥ उल्लाभादः पाद ३ सलवनपाद ४ अन्ननापाद २ धृतिः सर्वदः

मकरासिसत ॥ १० ॥ अन्यसूपाद २ सरुहिरवः पाद ४ पूर्वरुद ३ धृतिः नरु
त सर्वदः कर्कनासिसत ॥ ११ ॥ पूर्वरुदः पाद १ उल्लरुदः पाद ४ लेवतिया
द ४ धृतिः नरुत सर्वदमि ननासिसत ॥ १२ ॥ ॐ तिर्वद ह्य कया वास्यताम
समाक ॥ ॐ ॥ मरवावसिह अन्नपूर्वरागुनि ४ रुवकन्यमकन अश्लपाद ४
मरवावसिह अन्नपूर्वरागुनि ४ रुवकन्यमकन अश्लपाद ४ ॥ ॐ ॥ मरवावसिह
हनासिः अन्ननासिः शलकावः सर्वदः दुकिनसवानिव ॥ २ ॥ कर्कनासिः मिधून
नासिः तुलनासिः शलकावः सर्वदः यद्वि मसवानिव ॥ ३ ॥ कर्कटनासिः वि

दुनासिः मिननासिनकावः र्वदः उरुल सथानिव ॥ ४ ॥ ॐ ति र्वद वाद दि ग ६
समाक ॥ ॐ ॥

एवदलर्गू मू भथानः कृत्त शरीदिवा
कृत्तः स्यामिना संहर्व तस्यः कन्या वध
वैलकृन् ॥ ॥ लं ग सर्वदुवानस
नाः रुना र्गू गभनसः सनियन ॥ ॐ ॥

१ कवगघहचहजक रुठठठटणातथदधनयफवजमयरलवसषशरु क ४॥



आदिगवानासनाः थवर्क गद
अतमसवानासनाः सिधथान
महिदरुनाः थवर्क कन्यानः सा
मिनासयापूर्वः ॥ ॐ ॥
१ स्वस्ति श्रीसर्वपिमाज्ये न्यादिस कलगुणागसरिष्ठ
राजभाशसामर्था ॥
१ ककाकि कीकु कुकु कुकु कुकु केके कोको कंक ४॥

रल गद का वृक्ष जस्य जस्य केऽत्रा विहस्यतिः दसम गमन कायस्यः स ज्ञात कुल दियक ॥
 ॥ ल ग सः शुक्र यान सनीः वृक्ष यान सनी केन्द्र सवृक्ष सति यान साः दसम सः अंगन वा
 म साः धर्म स ज्ञातः कुल या म्य तं श्रम्य ॥ ० ॥ ल ग द का वृक्ष नातिः नाति केद्रा
 वृक्ष सतिः उ सम गमन को नातिः स ज्ञात किं क निष्पति ॥ ० ॥ ल ग सः शुक्रः वृक्षः मद्रः
 केद्र सवृक्ष सति मद्रः दसम गः अंगन मद्रः यथा दक्ष मन्त्र क वा या वक्ष्याम ॥ १ ॥
 लु न म ४ व न क नाम ॥ नात्रि द्वाय ल द्वावः का द्वाव म स स यान द्वावः दिन भात्र स्याक
 सिय ॥ १ ॥ अ नि व ल नादः नात्रि स न साः क न स न भात्र स्या क सिय ॥ २ ॥ ख द्धि

न द्वायः ख द्धि नः न क स्य नादि सानि वः विरु कल स्या सिय ॥ ३ ॥ द्वाय मा द्वा
 ज्वा व दि स्य सान साः न क वा ता या नात्रि सिय ॥ ४ ॥ न क स्य खादुः स्य र व म स य मी ना
 मि सिय ॥ ५ ॥ अ ग वा त या नात्रि सिय ॥ ६ ॥ अ न व ल स का केऽत्रा विहस्यतिः स्य र व म
 वा व मा नात्रि सिय ॥ ७ ॥ नात्रि का व स्य स न साः कि मि या सिय ॥ ८ ॥ न क सनादिः वा
 क या द सान साः अ जि न क द म मद्रु या सिय ॥ ९ ॥ नादि क केद्रा व दि स्य स न साः
 ग द्धि नि मा सिय ॥ १० ॥ ख द्धि न नि कः खा द्धि न काद्रुः अ वि नि मा सिय ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥ स वि मा ती नः हा त सः ध म य या म याः वा यः ग न द्वा वः स मद्रुः मि स या न द्वा व

वाढस्यथानिव ॥ १०॥ हृदयप्रसूतसुधनसूयः तालसुधनकः ताम्रभानः यत्रः ह
रुद्रप्रसूतः कृष्णन्यजिवरवा ॥ २०॥ कायलेयात्राः कृतकृतपादतायावः प्ररव
नः कुडकुसुमसंनः वातासः धर्तुलरिवसतयः दातावः धर्तुलरिवसतयः दातावः धर्तुलरिवसतयः दातावः
मिदतिः सुसुधावः मसनकृजिवरवा ॥ ३०॥ सिद्धिगुत्रः आह्लाः गुत्रद्वयगु
त्रसिगुत्रः आह्लाः मातादिवः आह्लाः कामप्रियदितालसुत्रवेदिः वक्काविष्टः मह
स्वतः तिनीतिनिः कृकनाद्यामः विनिविनिवकनाः रुद्रुद्रसाहा ॥ धननम
न३ वकनरुद्रपनयावधानसूयः ॥ त्रागनामः रवासिमाहमाः सामविकयाः धन

नसताजिव ॥ धन ॥ १०॥ नमहे नरवभनाम ॥ अककनाहाः मंसठाहृदुत्रिः
मंसठा अवलवूनरुतालाया १५ धतिनूनमाहः वाधुम १२ धतीवात्रविदावः
सुधं वनकिः कुरुयः दिन ॥ धतिनः कुरुमानः मिसाविमात्राह ॥ २०॥ विष्ट
खयत्रः गवयकुमाननिः अवात्रीयकुमाननिः नित्राधुतिस्तुत्रिः धतिसह
महागयादाः आह्लातलशकः कृतायागुवा २ धतिवूनयादावक्षायः मिसा
तावनाह्ला ॥ ३०॥ ॥ नित्राधुतिः विष्टखयत्रः गवयकुमानलिः धतिवूनयादा
वक्षायः मिसातावकः कुरुव ॥ ४०॥ ॥ तालसमस्तः त्रागयात्रः गानक्षायः

मावः अत्र लु पातालतिष्ठ २ मावद्वधनया तानतिष्ठ २ वपूतिष्ठ २ बकनयुत्र २ हिलमिम
 सह नमसं १ धतिवून निमाववृद्धः शहा गालन के कदन दाव वाक स्यमः धविकद
 नन वासः ७ लाः विमूवमाः साकमा सातानः अविहिवमाः स्वथवा रुमाः अथाव
 रुमाः निमावातसंहिदः सुतिकायः धूतिरंहिदः ॥ ६०५ ॥ सिद्धिगुन आरु ७ ग
 नमः अउ गलमः अतिति सिवायः वपदाविनाको धनिः सिविसि विज्जर्ना
 निनालिङ्ग प्ररु नामनः कोः ०० धनवाव ॥ हं गुन आरु ॥ अत्र ३ ॥ हिद्विय ॥
 ॥ ००५ ॥



रकुं कमवन् रयं डनः
 रुजयुससस्यानाहा
 धसविस्मभूमरुम
 मदनकाशना ००२

एकं कमकवनः कडुविः
 धूतिनः रुजयुससस्यानाहा
 मोसभवः गवसतिः ममरु
 कासि सिद्धि शवनकाशना ००३

एकं कमकवनः कडुमनः
 रुजयुससस्यानाहा
 मोसभवः गवसतिः ममरु
 कासि सिद्धि शवनकाशना ००४

एकं कमकवनः कडुमनः
 रुजयुससस्यानाहा
 मोसभवः गवसतिः ममरु
 कासि सिद्धि शवनकाशना ००५

